नवनीत

(2024–2025)

उत्कृष्टता के पथ पर लखनऊ विश्वविद्यालय की यात्रा

लखनऊ विश्वविद्यालय

website : https://www.lkouniv.ac.in/

LIGHT AND LEARNING
UNIVERSITY OF LUCKNOW

अनुक्रमणिका

1.	उत्कृष्ट शैक्षिक परिणामों के लिए प्रयासरत	1
2.	शैक्षणिक विकास और विविधीकरण	3
3.	शोध लचीलेपन को सुदृढ़ करना	4
4.	उन्नत वैश्विक सहभागिता	6
5.	मानव पूंजी को मजबूत बनाना	9
6.	भावी छात्रों को शामिल करना	10
7.	छात्र क्षमता को पोषण देना	10
8.	छात्र संवर्धन पहल	16
9.	आईसीटी पहल	21
10.	वित्तीय स्थिति को मजबूत करना	22
11.	बुनियादी ढांचे को मजबूत करना	22
12.	सामुदायिक संपर्क को मजबूत करना	24
13.	रैंकिंग और मान्यता	27

1. उत्कृष्ट शैक्षिक परिणामों के लिए प्रयासरत

औद्योगिक विकास और उच्च शिक्षा किसी राष्ट्र की आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। औद्योगिक क्रांति और उसके बाद हुयी इंटरनेट क्रांति के बाद, कार्य करने के तरीके में महत्वपूर्ण परिवर्तन आया है, जिसमें शारीरिक श्रम से प्रौद्योगिकी–आधारित प्रक्रियाओं की ओर बदलाव हुआ है। इस विकास ने एक ऐसे कार्यबल की मांग को जन्म दिया है जो न केवल सक्षम हो बल्कि उभरती प्रौद्योगिकियों में अत्यधिक कुशल भी हो। **औद्योगिक क्रांति 4.0,** जो स्वचालन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और स्मार्ट प्रणाली द्वारा चिह्नित है, ने उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए **शिक्षा 5.0** को अपनाने की अत्यावश्यकता को और अधिक बढ़ावा दिया है। यह नया शिक्षा मॉडल एक गतिशील शिक्षण और सीखने के वातावरण को साकार करने का प्रयास करता है, जो छात्रों को भविष्य की कार्यबल मांगों को पूरा करने के लिए आवश्यक कौशल से लैस करता है, साथ ही व्यापक सामाजिक परिवर्तनों और चुनौतियों का भी समाधान करता है।

इन परिवर्तनों के प्रत्युत्तर में, भारत की नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी 2020) को एक व्यापक और बहु–विषयक दृष्टिकोण के साथ तैयार किया गया है। एन.ई.पी. 2020 का उद्देश्य एक अधिक लचीला, समग्र शिक्षण वातावरण को विकसित करना, रोजगार की संभावनाओं को बढ़ावा देना और कुशल मानव संसाधनों की गुणवत्ता में सुधार करना है। इसी राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप, लखनऊ विश्वविद्यालय ने इसके कई पहलुओं को लागू किया है, जिनका उद्देश्य शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाना, सामाजिक और आर्थिक गतिशीलता को बढ़ावा देना और समावेशिता व समानता को प्रोत्साहित करना है। इन पहलुओं को अपनाकर, लखनऊ विश्वविद्यालय एक मजबूत शैक्षणिक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने का प्रयास कर रहा है, जो न केवल शिक्षा की गुणवत्ता को सुधारता है बल्कि व्यापक सामाजिक–आर्थिक विकास में भी योगदान देता है। यह दृष्टिकोण एन.ई.पी. 2020 के लक्ष्यों के साथ मेल खाता है, जिससे छात्रों को तेजी से बदलती वैश्विक अर्थव्यवस्था में सफल होने के लिए तैयार किया जा सके, साथ ही समावेशिता और सामाजिक समानता को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।

1.1. स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में एन ई पी कार्यान्वयन

1.1.1. दो वर्ष का स्नातकोत्तर कार्यक्रम अधिनियम 2024

- यूजीसी दिशानिर्देशों के अनुसार 2 वर्षों में कुल 80 क्रेडिट
- विषय की सीमा हटाई गई
- पिछले अध्यादेश के समान अन्य विशेषताएँ
- बहु–प्रवेश और निकासी विकल्प

1.1.2. एक वर्ष का स्नातकोत्तर कार्यक्रम अधिनियम 2024

- चार साल की यूजी डिग्री के बाद पीजी प्रोग्राम करने के इच्छुक छात्रों के लिए
- विषयों में समान क्रेडिट
- यूजीसी दिशानिर्देशों के अनुसार 1 वर्ष में कुल 40 क्रेडिट
- अंतःविभागीय और अंतर्विभागीय मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम
- फ्रीज़ और ओपन इलेक्टिव
- मूक की व्यवस्था

1.2. एनईपी 2020 से संबंधित अन्य दिशानिर्देश

1.2.1. लेटरल एंट्री दिशानिर्देश

- एनईपी 2020 के अनुरूप, लखनऊ विश्वविद्यालय तथा इसके संबद्ध महाविद्यालयों में स्नातक (UG) एवं स्नातकोत्तर (PG) कार्यक्रमों में पार्श्व प्रवेश हेतु दिशानिर्देशों को स्वीकृति दी गई।
- स्नातक (UG) के तृतीय, पंचम एवं सप्तम सेमेस्टर तथा स्नातकोत्तर (PG) के तृतीय सेमेस्टर में रिक्त सीटों की घोषणा की जाएगी।
- पात्रता एनईपी 2020 में वर्णित प्रमाणपत्र, डिप्लोमा अथवा डिग्री के पूर्व संपन्नन पर आधारित होगी।
- **इंट्रा–यूनिवर्सिटी ट्रांसफरः** लखनऊ विश्वविद्यालय के संबद्ध महाविद्यालयों के विद्यार्थी विश्वविद्यालय के अन्य महाविद्यालयों में पार्श्व प्रवेश के लिए आवेदन कर सकेंगे।
- **इंटर–यूनिवर्सिटी ट्रांसफरः** अन्य विश्वविद्यालयों के विद्यार्थी, जिनके विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) का ए+ ग्रेड या समकक्ष मान्यता प्राप्त हो तथा जिनके अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट्स (ए बी सी) में क्रेडिट्स दर्ज हों, वे लखनऊ विश्वविद्यालय में स्नातक/परास्नातक कार्यक्रमों में पार्श्व प्रवेश के लिए आवेदन कर सकेंगे।

1.2.2. प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस

- पाठ्यक्रम विकास, विशेषज्ञ समन्वय तथा अनुभवजन्य अधिगम हेतु उद्योग और व्यावसायिक विशेषज्ञता का उपयोग किया जाएगा।
- अपने–अपने क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान करने वाले विशिष्ट विशेषज्ञों की नियुक्ति की जाएगी।
- संलग्नता की श्रेणियाँः
  - उद्योग–वित्तपोषित प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस
  - विश्वविद्यालय–वित्तपोषित प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस
  - मानद (Honorary) प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस

1.2.3. डी.लिट/ डी.एससी./ एल.एल.डी.

- डी.लिट., डी.एससी., एल.एल.डी. की उपाधि प्रदान करने हेतु विनियम लागू हुआ ।
- योग्यताः पीएच.डी., ≥5 वर्ष का पोस्ट–पीएच.डी. अनुभव, ≥10 उच्च गुणवत्ता वाले जर्नल (≥5), वार्षिक आवेदन जिसमें जीवन वृत्त, शोध संक्षिप्तिका, पूर्व अनुसंधान, प्रकाशन सूची, और अनापत्ति प्रमाण पत्र शामिल हैं।
- पर्यवेक्षणः पीडीआरसी (डीन, सुपरवाइज़र, विभागाध्यक्ष/निदेशक, 2 प्रोफेसर) द्वारा देखरेख; पर्यवेक्षक केवल वही प्रोफेसर होंगे जिन्होंने कम–से–कम 5 पीएच.डी. शोधार्थियों का निर्देशन किया हो।
- स्व–पर्यवेक्षणः वरिष्ठ अभ्यर्थियों (≥10 वर्ष सेवा, ≥15 प्रभावशाली शोधपत्र, उच्च गुणवत्ता वाले शोध पत्र ≥10) को स्व–पर्यवेक्षण की अनुमति।
- थीसिसः न्यूनतम 2 वर्ष बाद तथा अधिकतम 4 वर्ष में (1 वर्ष की वृद्धि संभव); प्री–सबमिशन सेमिनार अनिवार्य; शोध मौलिक, ठोस, विद्वत्तापूर्ण होना चाहिए तथा प्लेज़रिज़्म व एआई–जाँच अनिवार्य होगी; 5 प्रति कागज पर मुद्रित व 1 डिजिटल कॉपी प्रस्तुत करनी होगी।

2. शैक्षणिक विकास और विविधीकरण

एनईपी 2020 की परिकल्पना के अनुरूप, लखनऊ विश्वविद्यालय ने अंतरविषयी, बहुविषयी, आधुनिक तथा शास्त्रीय क्षेत्रों में विस्तृत पाठ्यक्रमों एवं कार्यक्रमों की शुरुआत की है। यह अकादमिक विविधीकरण विषयों के बीच की कठोर सीमाओं को तोड़ते हुए एक समग्र और समेकित अधिगम वातावरण को प्रोत्साहित करता है। अब व्यावसायिक एवं सह–पाठ्यचर्या पाठ्यक्रमों की शुरुआत से शैक्षणिक धाराओं की संकीर्णता समाप्त हो रही है। यह समावेशी पाठ्यक्रम न केवल भारत की समृद्ध बौद्धिक परंपरा का सम्मान करता है बल्कि विद्यार्थियों को आधुनिक दक्षताओं से भी सुसज्जित करता है, जिससे वे गतिशील करियर पथों एवं सार्थक सामाजिक योगदान के लिए तैयार हो सकें। बहुविषयी शिक्षा और अंतःविषयी शोध को प्रोत्साहित करने हेतु, जैसा कि एनईपी 2020 में परिकल्पित है, लखनऊ विश्वविद्यालय में नये संकायों और संस्थानों की स्थापना की गई है।

2.1. नये संकाय एवं विभाग

- **सौंदर्यशास्त्र एवं शैव दर्शन संकाय**
- **प्रबंधन अध्ययन संकाय**
- **कृषि संकाय**
  - कृषि विज्ञान विभाग
  - कृषि अनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग
  - बीज विज्ञान विभाग
  - कृषि अर्थशास्त्र एवं कृषि प्रसार विभाग
  - पादप शरीर विज्ञान एवं जैवरसायन विभाग
  - पादप रोग विज्ञान एवं सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग
  - उद्यान एवं कृषि विज्ञान विभाग
  - कीट विज्ञान विभाग

2.2. नए कार्यक्रम

2.2.1. व्यवसाय–केंद्रित अधिगम कार्यक्रम

- एनईपी–2020 की धारा 11.3–11.4 के अनुरूप, इस अवधि में निम्नलिखित नए कार्यक्रम आरंभ किए गए.
- कार्यकारी एमबीए कार्यक्रम (संयुक्त मोड)
- बी.एससी. (कृषि)
- पोषण विज्ञान में जनस्वास्थ्य स्नातकोत्तर
- बी.बी.ए. (व्यवसाय विश्लेषिकी)
- एम.बी.ए. (वित्त और लेखा)

3. शोध लचीलेपन को सुदृढ़ करना

पिछले पांच वर्षों में, लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपने अनुसंधान प्रदर्शन में महत्वपूर्ण प्रगति की है, जो अकादमिक उत्कृष्टता और नवाचार के प्रति एक मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह प्रगति एन ई पी 2020 के लक्ष्यों के अनुरूप है, जो उच्च गुणवत्ता, प्रभावशाली, और बहुविषयक अनुसंधान पर जोर देती है। विश्वविद्यालय ने अनुसंधान–हितैषी नीतियों को पेश किया है, बुनियादी ढांचे में निवेश किया है, और प्रतिष्ठित जर्नल्स में प्रकाशन के लिए संकाय और शोधार्थियों को प्रोत्साहन देने के लिए योजनाएं शुरू की हैं। अनुसंधान उत्पादन, सहयोग, और वैश्विक दृश्यता में एक स्पष्ट वृद्धि हुई है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग ने इस वृद्धि की पुष्टि की है, कि विश्वविद्यालय ने लगातार अपनी स्थिति में सुधार किया है। केंद्रीय अनुसंधान सुविधाओं की स्थापना, स्नातक स्तर पर छात्र अनुसंधान को बढ़ावा देना, और अंतर्विषयक परियोजनाओं को प्रोत्साहित करना इसके अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र को और मजबूत कर रहा है। इन पहलों के माध्यम से, लखनऊ विश्वविद्यालय ज्ञान सृजन और शैक्षणिक योगदान के लिए एक जीवंत और समावेशी वातावरण बना रहा है।

3.1 अनुसंधान अनुदान

पिछले शैक्षणिक वर्ष में अनुसंधान निधि में 27.02 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जो शैक्षणिक और वैज्ञानिक प्रयासों को समर्थन देने में पर्याप्त वृद्धि का प्रतिनिधित्व करता है। यह वृद्धि विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संस्थानों और विद्वानों को अपनी अनुसंधान क्षमताओं का विस्तार करने, नवीन परियोजनाओं को आगे बढ़ाने और बुनियादी ढांचे को बढ़ाने में सक्षम बनाती है। यह अंतःविषय सहयोग, कुशल शोधकर्ताओं की भर्ती और उन्नत प्रौद्योगिकी तक पहुंच के अवसर भी खोलता है। अतिरिक्त धनराशि विभिन्न क्षेत्रों में प्रभावशाली अनुसंधान को बढ़ावा दे सकती है, जो सामाजिक, तकनीकी और आर्थिक प्रगति में योगदान देने वाली सफलताओं को बढ़ावा दे सकती है। अंततः, यह महत्वपूर्ण फंडिंग वृद्धि वैज्ञानिक खोज और नवाचार में तेजी लाने के लिए एक उत्प्रेरक है।

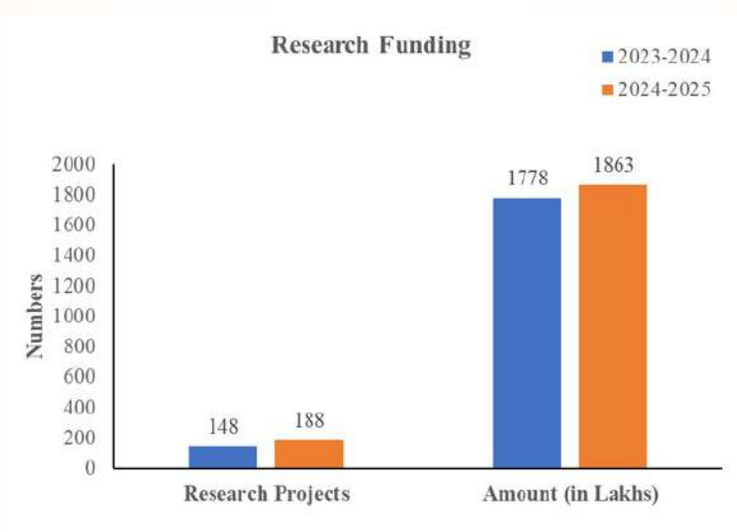

3.2. प्रकाशन

लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपने शोध कार्य में उल्लेखनीय प्रगति देखी है, जो इसके प्रतिष्ठित शिक्षक गण के समर्पण और निरंतर प्रयासों का प्रमाण है। पिछले कुछ वर्षों में, विश्वविद्यालय ने अकादमिक उत्कृष्टता और बौद्धिक विकास की आधारशिला के रूप में अनुसंधान पर अधिक जोर दिया है। इस फोकस ने विभिन्न विषयों में शोध योगदान की मात्रा और गुणवत्ता में महत्वपूर्ण प्रगति की है।

इस शोध अभियान में सबसे आगे रहने वाले शिक्षकों ने ज्ञान की सीमाओं को आगे बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किया है, जिसके परिणाम स्वरूप उनके प्रकाशनों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। लखनऊ विश्वविद्यालय के समर्पित शिक्षकों ने विश्वविद्यालय के शोध विकास में निरंतर योगदान दिया है। शोध पत्रों के प्रकाशन में 9.55 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, और पुस्तकों के प्रकाशन में 172 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

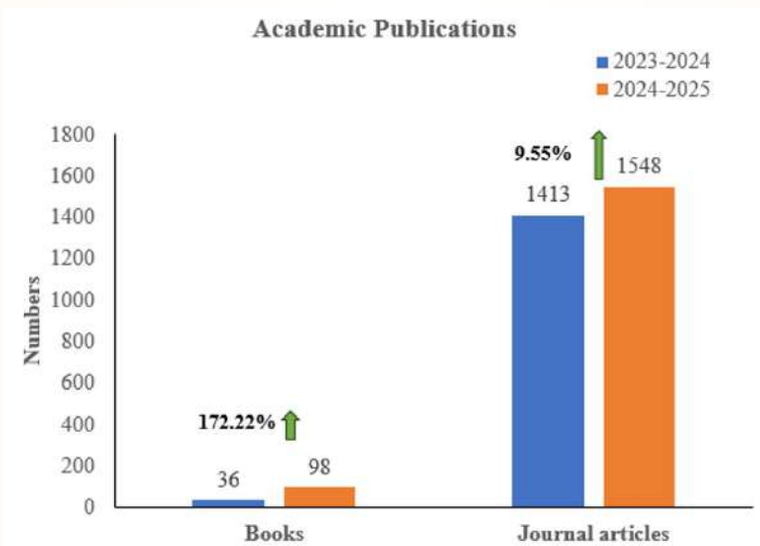

3.3. एच–इंडेक्स और साइटेशन

लखनऊ विश्वविद्यालय की शोध गुणवत्ता में इसके एच–इंडेक्स और इसके प्रकाशनों को प्राप्त होने वाले उद्धरणों की संख्या में सुधार के कारण उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। ये मीट्रिक अकादमिक और

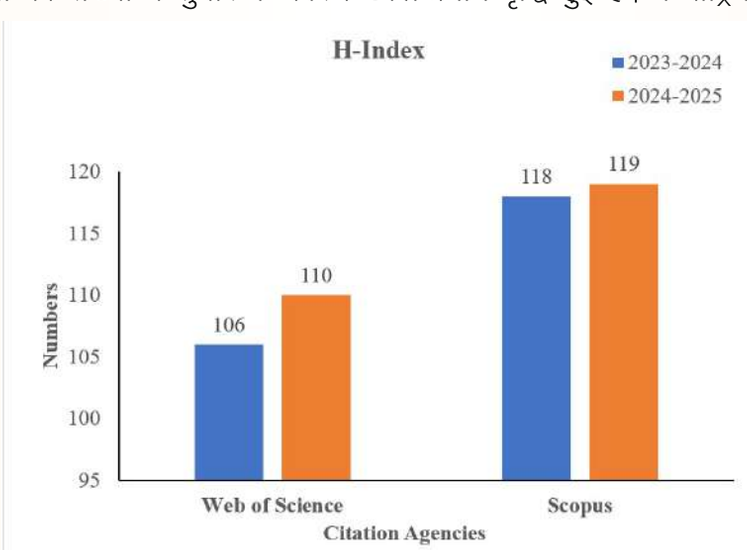

वैज्ञानिक समुदाय पर विश्वविद्यालय के शोध के प्रभाव और प्रभाव के महत्वपूर्ण संकेतक हैं। साथ में, बढ़ते एच–इंडेक्स और उद्धरण संख्या विश्वविद्यालय की बेहतर होती शोध गुणवत्ता और वैश्विक अकादमिक स्थिति के मजबूत संकेतक हैं। वे प्रभावशाली शोध करने में संस्थान की सफलता को दर्शाते हैं जो इसके अपने अकादमिक वातावरण से परे भी गूंजता है।

3.4. शैक्षणिक संवाद

विश्वविद्यालय अपने छात्रों को एक अद्वितीय शैक्षणिक अनुभव प्रदान करने के लिए समर्पित है। यह शैक्षिक, विस्तार गतिविधियों, प्रौद्योगिकी, अनुवाद आदि में प्रशंसा योग्य नामों से छात्रों को मिलने के अवसर प्रदान करके प्राप्त किया जाता है। विश्वविद्यालय ने प्राणी विज्ञान, फार्मेसी, अभियांत्रिकी, समाजशास्त्र और कई अन्य विषयों पर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किए। कुल 412 शैक्षणिक आयोजन जिनमें संगोष्ठी, सम्मेलन, व्याख्यान आदि के रूप में आयोजित की गईं। उल्लेखनीय आयोजनों में विधि संकाय द्वारा आयोजित लखनऊ विश्वविद्यालय मॉडल यूनाइटेड नेशंस प्रोग्राम शामिल था, जिसके लिए उन्हें संयुक्त राष्ट्र से प्रशंसा प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ। अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी संकाय द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'इनोवेशन इन लाइफ सांइस एण्ड सस्टेनेबल डेवेलपमेंट' विषय पर था। इस शैक्षणिक वर्ष में विश्वविद्यालय द्वारा कुल 412 से अधिक व्याख्यान, संगोष्ठी और कार्यशालाएं आदि आयोजित की गईं।

4. उन्नत वैश्विक सहभागिता

लखनऊ विश्वविद्यालय का ऊंचा वैश्विक जुड़ाव अंतर्राष्ट्रीयकरण और वैश्विक मान्यता की दिशा में संस्थान की यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पिछले कुछ वर्षों में, विश्वविद्यालय ने अंतरराष्ट्रीय सहयोगों को बढ़ावा देकर, शैक्षणिक आदान–प्रदान कार्यक्रमों में वृद्धि, और सीमा पार अनुसंधान पहलों में भाग लेकर अपने वैश्विक पदचिन्हों को विस्तार देने का लगातार प्रयास किया है।

4.1. पूर्णकालिक डिग्री कार्यक्रमों के लिए अंतर्राष्ट्रीय छात्र

लखनऊ विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय छात्रों का बढ़ता आगमन विश्वविद्यालय की बढ़ती वैश्विक अपील और अंतर्राष्ट्रीयकरण के प्रति इसकी प्रतिबद्धता का स्पष्ट प्रतिबिंब है। अंतर्राष्ट्रीय छात्रों का यह आगमन न केवल परिसर की शैक्षणिक और सांस्कृतिक विविधता को समृद्ध करता है बल्कि संस्थान की वैश्विक प्रतिष्ठा को भी बढ़ाता है। पिछले शैक्षणिक वर्ष में देखा गया:

- 77 देशों से 2379+ से ज्यादा आवेदन प्राप्त हुये
- वर्तमान में 45 नए देशों के छात्र अध्ययन कर रहे हैं

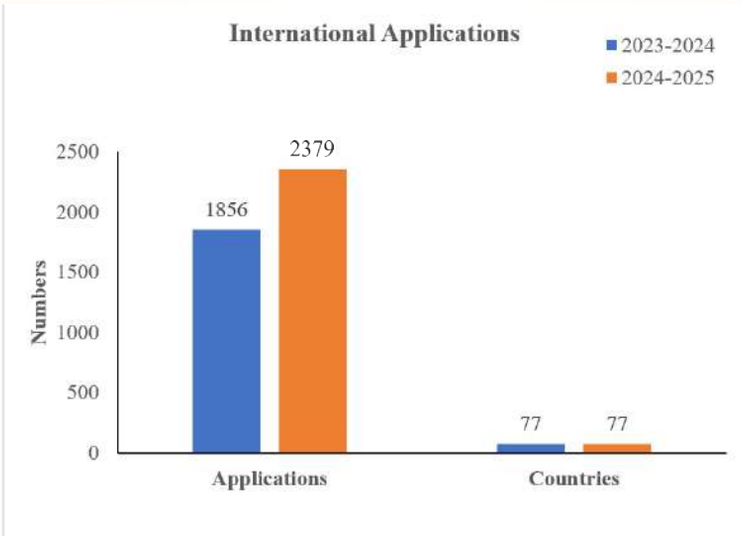
International Applications
2023-2024
2024-2025
Numbers
2500
2000
1500
1000
500
0
1856
2379
77
77
Applications
Countries

लखनऊ विश्वविद्यालय
स्थापित -1920
Dudhwa National Park Trek

4.2. **अंतर्राष्ट्रीय सहभागिता**

- पिछले शैक्षणिक वर्ष में कुल 25 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किये गये।
- पिछले शैक्षणिक वर्ष में 15 अंतर्राष्ट्रीय सहमति पत्र एवं 10 राष्ट्रीय सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए गए।

5. **मानव पूंजी को मजबूत बनाना**

लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपने शिक्षण और गैर–शिक्षण कर्मचारियों को प्रभावी और कुशल बनाने पर बहुत जोर दिया है, इसलिए चयन और पदोन्नति के मुद्दे को उचित रूप से संबोधित किया गया है।

5.1. **शिक्षण**

- जून 2024 से आईटी आधारित पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से पूर्णकालिक फैकल्टी के 25 नियुक्तियाँ की गई हैं, जिससे पिछले पांच वर्षों में नई नियुक्तियों की कुल संख्या 253 हो गई है।
- शिक्षक–शिक्षार्थी अनुपात अब 1:27 है, जो पहले 1:35 था।

5.2. **कर्मचारी कल्याण**

- विश्वविद्यालय ने अपनी संसाधनों के माध्यम से सभी शिक्षण और गैर–शिक्षण कर्मचारियों के लिए एक चिकित्सा बीमा योजना शुरू की।

6. भावी छात्रों को शामिल करना

लखनऊ विश्वविद्यालय ने प्रवेश के लिए आवेदनों में एक महत्वपूर्ण वृद्धि का अनुभव किया है, जो इसकी बढ़ती लोकप्रियता और शैक्षणिक प्रतिष्ठा को दर्शाता है। इस वृद्धि का श्रेय विभिन्न कारकों को दिया जा सकता है, जिसमें विश्वविद्यालय की शैक्षणिक कार्यक्रमों को सुधारने, शोध के अवसरों को बढ़ाने और उद्योग सहयोगों को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता शामिल है।

वर्ष	सीटों की संख्या	आवेदन की संख्या
2024-2025	8750	93783
2025-2026	8750	95823
% वृद्धि	**0**	**1.5%**

7. छात्र क्षमता को पोषण देना

छात्र केंद्रित शिक्षण दृष्टिकोण की विशेषता उन्हें अपनी बात कहने, अपनी पसंद, अपनी प्रगति और अपनी छात्र आवश्यकताओं की निगरानी करने का अवसर प्रदान करना है। छात्र संचार, वित्तीय सहायता, छात्र भागीदारी, प्लेसमेंट और उद्यमिता, और मेंटरिंग पहल के माध्यम से एक संवर्धित पांच बिल्ड–अप मॉडल छात्रों के समग्र विकास में योगदान देता है। लखनऊ विश्वविद्यालय ने छात्रों को उनकी रुचि के अनुसार बढ़ने और उत्कृष्टता प्राप्त करने का अवसर प्रदान करने और उन्हें निरंतर सीखने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए एक छात्र–केंद्रित प्रणाली बनाने के लिए विभिन्न योजनाओं और नवीन प्रथाओं की कल्पना, योजना और कार्यान्वयन शुरू किया है। ये पहल समग्र शिक्षा, रोजगार योग्य स्नातकों और टिकाऊ उच्च शिक्षा प्रणाली को बनाए रखने के लिए एन.ई.पी.–2020 के निर्देशों के अनुरूप हैं। निम्नलिखित गतिविधियाँ इस दिशा में विश्वविद्यालय द्वारा की गई पहलों को प्रदर्शित करती हैं।

7.1 छात्र संचार

संस्थागत निर्णय लेने में छात्रों की महत्वपूर्ण आवाज़ को शामिल करने के लिए, फीडबैक लूप चक्र को प्रेरित करता है, जिससे जागरूकता, विचारों की उत्पत्ति, विचारों का आदान–प्रदान होने के साथ ही संस्थान निर्माण व शिक्षण वातावरण गुणवत्तायुक्त बनता है । इसके लिए फीडबैक को प्रोत्साहित किया जाता है। विश्वविद्यालय ने छात्रों के साथ जुड़ाव बढ़ाने के लिये 24•7 दो–तरफ़ा और पारदर्शी संचार को प्रोत्साहित किया, ताकि छात्र हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर शीघ्र प्रतिक्रिया दी जा सके।

- **24*7 सोशल मीडिया के माध्यम से संचारः** विश्वविद्यालय और विश्वविद्यालय के सभी पदाधिकारी छात्रों की प्रश्नों और शिकायतों का समाधान करने के लिए X पर हैं। इसके अलावा, विश्वविद्यालय ने 24*7 संचार सुनिश्चित करने के लिए वेबसाइट, इंस्टाग्राम, फेसबुक, यूट्यूब चैनल, मोबाइल ऐप आदि के माध्यम से छात्रों के साथ कई अन्य संचार चैनलों को अपनाया है।

7.2 वित्तीय सहायता

विश्वविद्यालय ने छात्रों को उनकी शिक्षा निर्बाध रूप से पूरी करने में सहायता करने के प्रयास किए हैं।

- **कर्मयोगी योजना**
  विश्वविद्यालय के योग्य छात्रों को विश्वविद्यालय में अंशकालिक रोजगार प्रदान करता है।
- **छात्र कल्याण छात्रवृत्ति**
  वित्तीय सहायता के माध्यम से छात्रों को सहायता प्रदान करता है।
- **शोध मेधा छात्रवृत्ति**
  नेट/नेट–एलएस/गेट उत्तीर्ण प्रतिभाशाली महिला शोधार्थियों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है।
- **कर्मोदय योजना**
  छात्रों को बिना वेतन के आंतरिक इंटर्नशिप में काम करने के लिए स्वेच्छा से काम करने की अनुमति देता है, जिससे वे विभिन्न चुनौतीपूर्ण पदों में अपनी प्रबंधन क्षमताओं का विकास कर सकें।
- **अर्पण योजना– एडोप्ट–अ–ब्रेन स्कीम**
  कोविड महामारी के मद्देनजर शुरू किया गया। शिक्षकों और पूर्व छात्रों ने अपने माता–पिता को खोने वाले विश्वविद्यालय के छात्रों के शैक्षिक खर्च की पूरी या आंशिक जिम्मेदारी ली।
- **वीसी केयर फंड**
  - विश्वविद्यालय के छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है।
  - इस अनूठी योजना में स्वैच्छिक रूप से उच्च शिक्षा में योगदान देने के लिए सामुदायिक भागीदारी और गतिशीलता की सुविधा प्रदान की है।

7.3 **संस्थागत कामकाज में छात्रों की भागीदारी**

एन.ई.पी 2020 के तहत धारा 12.9 के अनुसार, विश्वविद्यालय के शैक्षिक और प्रशासनिक निर्णय लेने में छात्र भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए, विश्वविद्यालय ने कई मंच बनाए हैं:

- मेधावी छात्र परिषद
- सभी विभागों में छात्र शिकायत निवारण समितियाँ
- विभागीय छात्र शिकायत निवारण समिति
- हॉस्टल प्रबंधन समिति
- केंद्रीय प्लेसमेंट सेल
- प्रत्येक विभागाध्यक्ष/संकायाध्यक्ष, को प्रतिदिन सायं 4 से 5 बजे के बीच सभी छात्र मुद्दों को व्यक्तिगत रूप से संबोधित करने की जिम्मेदारी दी गयी है

7.4 **विद्यार्थी का समग्र कल्याणः**

- **हैप्पी थिंकिंग लेबोरेटरीः** 2020 में स्थापित, यह लैब छात्रों को खुशी, ध्यान और आध्यात्मिकता पर अपने विचारों को परावर्तित करने का एक मंच प्रदान करती है और छात्रों के तनाव और खुशी का वस्तुनिष्ठ और वैज्ञानिक मूल्यांकन करती है।
- **योग केंद्रः** छात्रों को योग OPD प्रदान करता है और छात्रों के लिए चिकित्सा स्वास्थ्य शिविर, योग और ध्यान सत्र भी आयोजित करता है।
- **ई–रिक्शा सेवाएँः** मुख्य परिसर और द्वितीय परिसर में छात्रों की आवाजाही को सुविधाजनक बनाने के लिए मुफ्त ई–रिक्शा सुविधा शुरू की गई है।

7.5 **महिलाओं के लिए समर्पित सुविधाएँ**

- सभी लड़कियों के शौचालयों में सैनिटरी नैपकिन वेंडिंग मशीनें और इन्किनरेटर
- महिला छात्रों के मनोरंजन और विश्राम के लिए समर्पित, अच्छी तरह से सुसज्जित कॉमन रूम सुविधा
- विश्वविद्यालय में डे केयर सेंटर, जो शिक्षकों और शोध छात्रों को सहयोग प्रदान करता है

7.6 **प्लेसमेंट और उद्यमिता विकासः सेंट्रल प्लेसमेंट सेल (सीपीसी)**

- कौशल वृद्धि और कैरियर परामर्श के लिए कार्यशालाएँ आयोजित करना।
- रोजगार पाने वाले विद्यार्थियों की संख्या में शानदार वृद्धि हुई है और प्लेसमेंट चाहने वाले लगभग 81% आवेदकों को रोजगार मिला।
- उच्चतम पैकेज रु. 24.61 लाख और औसत पैकेज रु. 7.86 लाख प्रति वर्ष।

7.7 **इन्क्यूबेशन सेल, नवांकुर फाउंडेशन**

- नवाचार और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण उद्यम, ''नवांकुर फाउंडेशन'', सेक्शन–8 कंपनी, नवाचार, ऊष्मायन, उद्यमिता और एक स्टार्ट–अप पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए।
- परिचालन व्यय के लिए अनुदान स्वीकृत (1 .5 करोड़ रुपये)।
- हमारे इन्क्यूबेशन सेल के साथ 18 स्टार्टअप पंजीकृत हैं।
- हमारे एक स्टार्टअप, ''बग्वालिखेत ऑर्गेनिक्स प्रा. लि.'' ने 31 जुलाई 2024 को राजभवन में आयोजित प्रदर्शनी में अपने उत्पादों को प्रदर्शित किया और सभी के द्वारा सराहा गया।
- दो नई इंटर्नशिप और 'विचार–मंथन योजना' 'आरंभ' और 'उड़ान' प्रारंभ की गईं।
- आरंभ व्यापार विकास, प्रौद्योगिकी सहायता, कार्यक्रम प्रबंधन, विधि और सम्मति, वित्त–अनुसंधान एवं कंटेंट क्रियेशन जैसे इंटर्नशिप कार्यक्रमों के माध्यम से छात्रों को व्यावहारिक कौशल सीखने का मंच प्रदान करता है। प्रत्येक इंटर्नशिप कार्यक्रम में अधिकतम 5 छात्रों का चयन किया जाएगा।
- उड़ान, एक नयी पहल और एक रोमांचक विचार–प्रस्तुति का मंच है, जिसे संभावित उद्यमियों को उद्योग विशेषज्ञों और निवेशकों के सामने अपने नवोन्मेषी विचार प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रण देने हेतु प्रारंभ किया गया है, जिससे मार्गदर्शन और वित्त पोषण के अवसर मिल सकें।

क्र0सं0	स्टार्टअप का नाम	प्राथमिक क्षेत्र
1.	नमस्ते रोइगर सर्विसेज LLP	बिजनेस सेवाएं/एजुकेशन टेक्नोलॉजी/ सामाजिक प्रभाव
2.	कैप्सिको ई–कॉमर्स प्राइवेट लिमिटेड	खाद्य–तकनीक/हाइपरलोकल खाद्य और किराने की डिलीवरी
3.	आरएसजीएस ग्लोबल हॉक एलएलपी	थोक व्यापार और व्यवसाय सेवाएँ
4.	वीर सोना (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड	एचआर स्टाफिंग/भर्ती और जांच सेवाएँ
5.	मुशिलोसिस प्राइवेट लिमिटेड	नवीकरणीय ऊर्जा
6.	टैपरी टेक प्राइवेट लिमिटेड	सॉफ्टवेयर विकास/आईटी–सक्षम स्टार्टअप्स
7.	विश्वकर्मा मैन्युफैक्चरिंग प्राइवेट लिमिटेड	निर्माण (संरचित धातु निर्माण)
8.	सुनीयन पावर ओपीसी प्राइवेट लिमिटेड	पर्यावरणीय प्रौद्योगिकियाँ
9.	बैग्वालिखेत ऑर्गेनिक्स प्रा. लि. (कालफ्री)	बैग्वालिखेत ऑर्गेनिक्स प्रा. लि. (कालफ्री)
10.	डिगवे ईमेडिया सॉल्यूशंस प्रा. लि.।	आईटी/आईआईटीईएस, फिनटेक
11.	सोनशिव इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड	औद्योगिक/इलेक्ट्रिकल इन्फ्रास्ट्रक्चर
12.	टेक्नोरेंट हेल्थकेयर एलएलपी	निर्माण स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी
13.	ईस्टर्न बोटानिक्स प्राइवेट लिमिटेड	वनस्पति/जैविक खेती
14.	बोध ऑर्गेनिक ईकोकल्चर	जैविक खेती/कृषि प्रौद्योगिकी
15.	राम श्री हेल्थ टेक प्राइवेट लिमिटेड	स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी/औषधीय
16.	नॉस्टाल्विया टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड	स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी
17.	उनाद दीप टेक्नोलॉजीज प्रा. लि.।	डीप टेक/उभरती हुई प्रौद्योगिकी
18.	गोयर टेक्नो इन्फ्रा प्रा. लि.।	तकनीक आधारित बुनियादी ढांचा

8. छात्र संवर्धन पहल

8.1 छात्र भ्रमण

लखनऊ विश्वविद्यालय अपने छात्रों को अन्य विश्वविद्यालयों, उच्च शिक्षा संस्थानों, राष्ट्रीय उद्यानों, आदिवासी गांवों, भूवैज्ञानिक संरचनाओं, गांवों, समुदायों आदि जैसे रुचि के स्थानों की यात्रा के माध्यम से वास्तविक समय की शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करता है। कुछ उल्लेखनीय दौरे मानवविज्ञान के छात्रों द्वारा तमिलनाडु, जन्तु विज्ञान के छात्रों द्वारा हैदराबाद, विशाखापत्तनम, कोलकाता, उत्तराखंड, बुंदेलखण्ड और गंगा के मैदानों में थे। छात्र स्वच्छता अभियान के साथ–साथ टीबी, एड्स, कैंसर, पोलियो, कुष्ठ रोग आदि जैसी स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए शहर और पड़ोसी क्षेत्रों में भी गए।

विशेष उल्लेखनीय था कि छात्रों द्वारा नेतृत्व किए गए "एक देश–श्रेष्ठ देश, प्रगति पथ पर हमारा देश" थीम पर 3––दिवसीय साइकिल यात्रा की गई, जिसमें छात्रों ने ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व के लखनऊ के आसपास के शहरों का दौरा किया। एकजुटता, स्वास्थ्य, और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए आयोजित इस कार्यक्रम में छात्रों, फैकल्टी, और सामुदायिक सदस्यों की उत्साही भागीदारी देखी गई। साइकिल चालकों ने राष्ट्रीय ध्वज और प्रगति तथा सामंजस्य के संदेशों वाले बैनर के साथ सुसज्जित होकर एक सुव्यवस्थित मार्ग पर यात्रा की। यह रैली एक मजबूत और विकसित राष्ट्र की दिशा में सामूहिक प्रयास का प्रतीक थी। प्रतिभागियों ने साइक्लिंग के माध्यम से स्वास्थ्य, पर्यावरणीय स्थिरता, और राष्ट्रीय एकता के महत्व पर जोर दिया। जहाँ छात्रों ने स्थानीय समुदाय के साथ बातचीत की, सतत विकास और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी की भूमिका के बारे में जागरूकता फैलायी। सभी सवारों के लिए एक सुगम अनुभव सुनिश्चित करने के लिए रिफ्रेशमेंट स्टॉल और चिकित्सा सहायता केंद्र स्थापित किए गए। कार्यक्रम का समापन आयोजकों के एक संदेश के साथ हुआ, जिसमें प्रतिभागियों की समर्पण और उत्साह की सराहना की गई। उत्कृष्ट साइकिल चालकों को पुरस्कार वितरित किए गए, और रैली ने उपस्थित लोगों पर प्रगति और एकता की भावना को मजबूत करने की एक अमिट छाप छोड़ी। यह माननीय राज्यपाल, श्रीमती आनंदीबेन पटेल के दृष्टिकोण से प्रेरित था।

साइकिल यात्रा -रोड मैप
एक देश नेक देश -प्रगति पथ पर हमारा देश
प्रथम दिवस
24.03.2025
साइकिल यात्रा शुभारम्भ
दिनांक 24.03.2025 दिन सोमवार प्रात: 08.00 बजे
विवेकानन्द द्वार ल०वि०वि०
परिवर्तन चौक
रेजीडेंसी
ऐतिहासिक इमामबाडा का भ्रमण
यात्रा का स्वागत एंव अभिनंदन शिया पी०जी० कॉलेज
(अल्प विश्राम)
यात्रा का बक्शी तालाब
(वाया ज्ञानोदय डिग्री कालेज,मडियाव) में
स्वागत एवं अभिनंदन
ऐतिहासिक बक्शी का तालाब का भ्रमण एवं चर्चा
यात्रा का स्वागत एंव अभिनंदन
सी.बी. गुप्ता बी.एस.एस. महाविद्यालय
ल०वि०वि० द्वारा गोद लिये गये गांवों का भ्रमण एंव ग्राम प्रधानों और ग्रामीणों से चर्चा,
यात्रीयों द्वारा भाषण, वाद -विवाद प्रतियोगिता तथा नुक्कड नाटक की प्रस्तुति
ऐतिहासिक मां चंद्रिका देवी मंदिर का भ्रमण तथा
रात्रि विश्राम
द्वितीय दिवस
25.03.2025
साइकिल यात्रा का प्रस्थान
दिनांक 25.03.2025 दिन मंगलवार
प्रात: 08.00 बजे
मां चंद्रिका देवी मंदिर
मालरोड स्थित गांवों का भ्रमण ग्राम प्रधानों
एंव ग्रामीणों से चर्चा
यात्रा का स्वागत एंव अभिनंदन
आदर्श सत्येंद्र महाविद्यालय में अल्प विश्राम एंव जलपान
रहीमाबाद गांव का भ्रमण
ग्राम प्रधानों
और ग्रामीणों से चर्चा
यात्रा का स्वागत एंव अभिनंदन
कुंवर आसिफ अली डिग्री कॉलेज
(रात्रि विश्राम)
तृतीय दिवस
26.03.2025
साइकिल यात्रा का प्रस्थान
दिन बुधवार प्रात: 08.00 बजे
कुंवर आसिफ अली डिग्री कॉलेज
ऐतिहासिक काकोरी शहीद स्मारक एंव
गांव का भ्रमण
ग्राम प्रधानों एंव ग्रमीणों से चर्चा तथा
यात्रीयों द्वारा डिबेड और नुक्कड नाटक
स्वागत और अभिनंदन
भालचंद्र ग्रुप ऑफ इंस्टिट्युट
(अल्प विश्राम)
काकोरी स्मारक स्थल,आई.आई. एम रोड
का भ्रमण
प्रेरणा स्थल,लखनऊ
ग्रीन कॉरिडोर भ्रमण
पक्का पुल कुडिया घाट का भ्रमण
यात्रा का समापन
संविधान गौरव स्थल
गेट नं० 2 ल०वि०वि०
आयोजक : लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ

8.2 सांस्कृतिक कार्यक्रम

विश्वविद्यालय ने 32 से अधिक अंतरमहाविद्यालय और अंतरविश्वविद्यालय कार्यक्रमों का आयोजन किया। 2200 से अधिक छात्रों ने समूह मॉडलिंग, कॉस्प्ले, एक्सटेम्पोर, साहित्यिक क्विज, बहस, कार्टूनिंग, गायन, शास्त्रीय नृत्य चित्रण, पोस्टर निर्माण, रंगोली निर्माण, कार्यक्रम प्रबंधन आदि जैसे कई प्रतियोगिताओं में भाग लिया। हमारे छात्रों ने लगभग सभी कार्यक्रमों में प्रशंसा और पुरस्कार जीते हैं, जिनमें से 48 पदक/ट्रॉफियां कई राष्ट्रीय और अंतरविश्वविद्यालय प्रतियोगिताओं में जीती गई हैं, जो आई.आई.टी. रुड़की, आई.आई.टी. कानपुर, महात्मा गांधी, काशी विद्यापीठ कन्नोनवाइज अकादमी और आदी फाउंडेशन आदि में आयोजित की गयी। विधि संकाय के छात्रों ने विएना में आयोजित 32वें विल्म सी. विस अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक मध्यस्थता मूट कोर्ट में भी भाग लिया। 5वां राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता का आयोजन विधि संकाय में किया गया।

वर्ष के दौरान आयोजित प्रमुख कार्यक्रमों में एशियन संसदीय बहस, काकोरी ट्रेन कार्रवाई की जयंती, पद्मभूषण अमृतलाल नागर की जयंती सप्ताह, भारत के लूम्स और वीव्स, एनसीसी स्थापना दिवस, 104 वां स्थापना दिवस और अंतर्राष्ट्रीय पुरातन छात्र सम्मेलन, भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी का शताब्दी उत्सव, स्वामी विवेकानंद जयंती पर राष्ट्रीय युवा दिवस, मकर संक्रांति समारोह, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर लखनऊ में एकता संदेश, शिवाजी महाराज जयंती समारोह, बसंत पंचमी, बलिदान दिवस, नव संवत्सर, और कई अन्य कार्यक्रम शामिल हैं।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन महाविद्यालयों में 86085 प्रतिभागियों के साथ बड़े पैमाने पर किया गया। इसके साथ ही 15 मिनट में 11 सूर्य नमस्कार किए गए, जो उत्तर प्रदेश के माननीय राज्यपाल द्वारा आरंभ किए गए विश्व रिकॉर्ड प्रयास में भागीदारी भी थी।

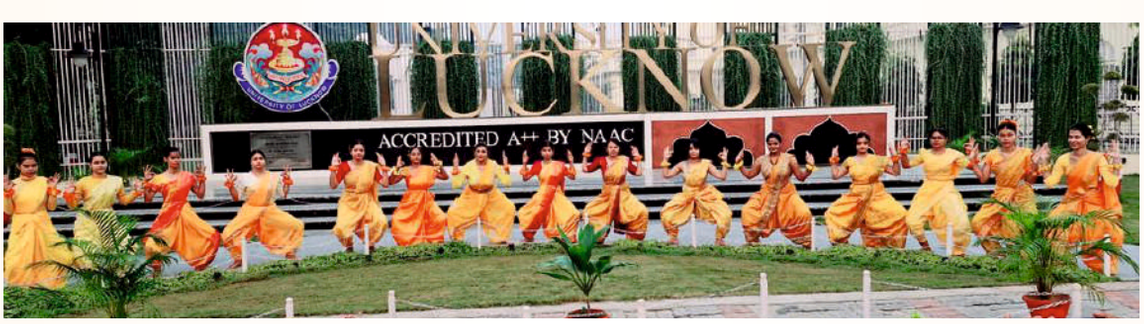

8.3 खेल आयोजन

अकादमिक वर्ष 2024–25 में, लखनऊ विश्वविद्यालय एथलेटिक संघ ने 80 खेल जांच कार्यक्रमों का आयोजन किया, जिससे उत्तर क्षेत्र और अखिल भारतीय आयोजनों के लिए 80 विश्वविद्यालयी खेल टीमों का चयन हुआ।

हमारी टीमों ने कराटे, जूडो, योग, वजन उठाने, पेंचक, सिलाट और क्रिकेट में 26 रजत पदक जीते। पहली बार, हमारी क्रिकेट टीम ने काठमांडू, नेपाल में त्रि–राष्ट्रीय टी–20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट टूर्नामेंट में भाग लिया और 'जय नेपाल टी–20 कप क्रिकेट टूर्नामेंट (पुरुष)' में उपविजेता ट्रॉफी प्राप्त की, इसके साथ ही इस आयोजन में 10 लाख नेपाली रुपये का नकद पुरस्कार और 3 मैन ऑफ द मैच पुरस्कार भी जीते।

हमारे छात्रों ने कराटे, वुड बॉल और आइस स्टॉक में 14 कांस्य पदक जीते।

योग, कुश्ती और रग्बी में हमारी टीमों की एक बड़ी उपलब्धि के चलते वे खेलों इंडिया – 2025–26 के लिए क्वालीफाई कर गए हैं, जो नवंबर 2025 में खेला जाएगा। हमारे 40 छात्र इस आयोजन में आने वाले महीनों में भाग लेंगे।

लखनऊ विश्वविद्यालय के सहयोग से लुआ ने वर्ष 2024–25 के दौरान संसद खेल महाकुंभ, प्री–कन्वोकेशन खेल आयोजन, राज्य स्तरीय टूर्नामेंट, खेल दिवस, साइकिल यात्रा, कुलपति बनाम मीडिया इलेवन क्रिकेट आदि सहित 6 प्रमुख खेलों का आयोजन किया गया।

9. आईसीटी पहल

लखनऊ विश्वविद्यालय ने शिक्षण, अधिगम और मूल्यांकन प्रक्रियाओं को सुधारने के उद्देश्य से तकनीकी हस्तक्षेपों का उपयोग करने के लिए पहल की है। जो कि *NEP 2020* की धारा *23* और *24* के तहत वर्णित है।

9.1 विश्वविद्यालय प्रशासन में आईसीटी पहल

9.1.1 परीक्षा

- EASE (परीक्षा की सेवाओं तक इलेक्ट्रॉनिक पहुंच) परीक्षा से संबंधित मुद्दों को सुविधाजनक बनाने के लिए पोर्टल नवंबर 2020 में शुरू हुआ।

9.1.2 अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट

- 3,82,003 से अधिक छात्रों ने अकादमिक क्रेडिट बैंक में पंजीकरण कराया है, जिनके क्रेडिट सफलतापूर्वक अपलोड किए गए हैं।

9.1.3 डिजीलॉकर पर मार्कशीट अपलोड की गयी

- 8.15 लाख से अधिक छात्रों की मार्कशीट और डिग्री डिजिलॉकर पर अपलोड की गयी
- डिजीलॉकर पर पिछले 10 साल का डेटा

9.1.4. समर्थ

- शैक्षणिक सत्र 2024–2025 में, विश्वविद्यालय शिक्षा मंत्रालय की पहल, समर्थ परियोजना में शमिल हो गया है।
- समर्थ एक पूरी तरह से प्रबंधित, क्लाउड–आधारित ईआरपी प्रणाली है जो विश्वविद्यालय की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयार की गयी।

9.2 आईसीटी सक्षम संचार पहलः

- विश्वविद्यालय और सभी विभागों और संस्थानों की अपने आधिकारिक एक्स, यूट्यूब, इंस्टाग्राम और फेसबुक हैंडल के माध्यम से एक मजबूत सोशल मीडिया उपस्थिति है।
- **मोबाइल ऐपः** विश्वविद्यालय ने अपना स्वयं का मोबाइल ऐप विकसित किया है और इसके 60000 से अधिक डाउनलोड हो चुके हैं।
- **यूनिवर्सिटी का X हैंडल@lkouniv:** विश्वविद्यालय का अत्यंत सक्रिय X हैंडल के अब पास 48500+फॉलोअर्स हैं, जिसके 2019 में लॉन्च होने पर मात्र 1600 फॉलोअर्स थे।
- **यूट्यूब चैनलः** लखनऊ विश्वविद्यालय का अपना यूट्यूब चैनल 30 नवंबर, 2020 को लॉन्च किया गया था और वर्तमान में इसके 25,600 सब्सक्राइबर हैं और 347 से अधिक वीडियो को 950000+ बार देखा गया है।
- **वेबसाइटः** विश्वविद्यालय की वेबसाइट को अप्रैल 2020 में नवीनीकृत और पुनः लॉन्च किया गया है। तब से इसे 15.85 करोड़ हिट्स मिले हैं।

10. वित्तीय स्थिति को मजबूत करना

- प्रधानमंत्री–उच्चतर शिक्षा अभियान (पीएम–ऊषा) से 100 करोड़ रुपये का अनुदान विश्वविद्यालय को अब तक प्राप्त सबसे बड़ा अनुदान है।
- भारत में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए बनाई गई योजना (पीएम–ऊषा) के तहत इस महत्वपूर्ण फंडिंग का उपयोग बुनियादी ढांचे को बढ़ाने, अनुसंधान और विकास का समर्थन करने और शैक्षणिक कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए किया जाएगा।

11. बुनियादी ढांचे को मजबूत करना

उच्च शिक्षा संस्थानों का बुनियादी ढांचा परिसर में छात्रों के समग्र विकास के लिए अच्छी तरह से डिजाइन किए गए क्लास–रूम, लैब, ऑडिटोरियम, कॉन्फ्रेंस हॉल और अन्य सुविधाओं के माध्यम से शिक्षण–अध्ययन का अभ्यास करने के लिए एक वातावरण प्रदान करके शिक्षा की गुणवत्ता को मजबूत करता है।

11.1 ढांचागत विस्तार

निम्नलिखित केंद्रीय सुविधाओं को समसामयिक और प्रासंगिक बनाने के लिए उनका नवीनीकरण किया गया है।

- दूसरे कैम्पस में नई चहारदीवारी का निर्माण
- दूसरे कैम्पस में गेट 1 और 2 का निर्माण
- औषधि विज्ञान संस्थान का निर्माण
- औषधि विज्ञान संस्थान ऑडिटोरियम का निर्माण
- मूल्यांकन भवन 'कौटिल्य भवन' का निर्माण
- दूसरे कैम्पस में ध्वज स्तंभ की स्थापना
- टैगोर पुस्तकालय में गुरुदेव रविंद्रनाथ ठाकुर की स्थापना
- एप्पल आईमैक्स प्रयोगशाला की स्थापना
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रयोगशाला की स्थापना
- टैगोर पुस्तकालय का नवीनीकरण
- कक्षाओं का उन्नयन
- ओ एन जी सी में केंद्रीय उपकरण प्रयोगशाला की स्थापना
- समाजशास्त्र विभाग में ए. के. सरन ऑडिटोरियम का नवीनीकरण
- जूरिस्ट हॉल का ए.एस मूट कोर्ट रूम में उन्नयन, विधि संकाय
- दूसरे कैम्पस और कैलाश हॉल में डीप बोर ट्यूबवेल की स्थापना
- 1250के वि ए इलेक्ट्रिक उप–स्टेशन की स्थापना

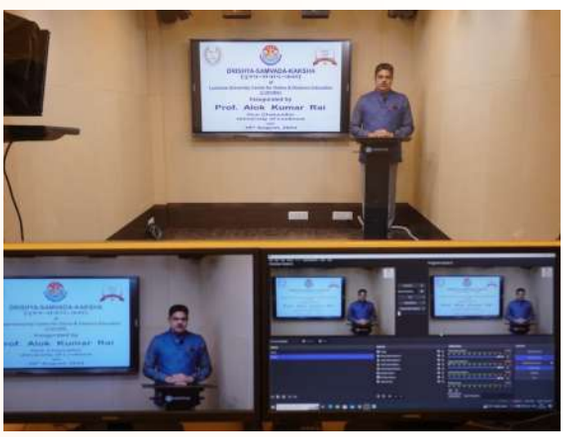
Prof. Alok Kumar Rai

UNIVERSITY OF LUCKNOW
SECOND CAMPUS

INSTITUTE OF PHARMACEUTICAL SCIENCES
UNIVERSITY OF LUCKNOW

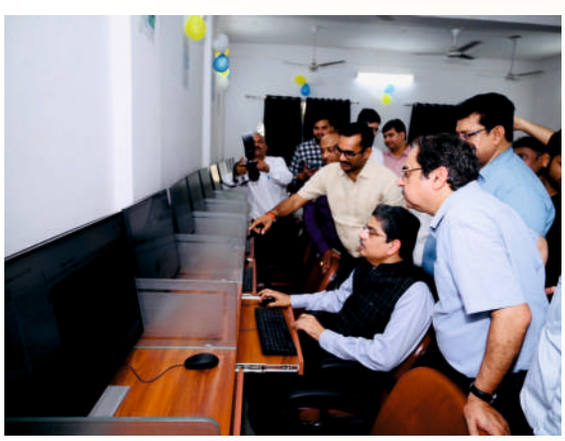

12. सामुदायिक संपर्क को मजबूत करना

एक समानता की ओर अग्रसर समाज बनाने के मिशन के साथ, लखनऊ विश्वविद्यालय ने समुदाय के साथ जुड़ने के लिए विविध पहलों को अपनाया है। विश्वविद्यालय के छात्र समग्र विकास के माध्यम से सीखने के उद्देश्य से आते हैं। समुदाय के ऐसे संबंध छात्रों को ज्ञान की एक नयी प्रक्रिया से परिचित कराते है। उनके वास्तविक दुनिया के मुद्दों के प्रति संवेदनशीलता विकसित करते हुए और उन्हें सामुदायिक विकास और कल्याण से संबंधित गतिविधियों में शामिल करता है।

12.1 सामाजिक आउटरीच पहल

- बच्चों के यौन शोषण को रोकने और POCSO अधिनियम का समर्थन करने के लिए विद्यालय के छात्रों के बीच जागरूकता बढ़ाई।
- मतदाता जागरूकता बढ़ाई।
- गांव वालों के बीच सरकारी विकास पहलों को बढ़ावा देने और उनके कार्यान्वयन का समर्थन करने के लिए जागरूकता बढ़ाई, समावेशिता को बढ़ावा दिया।
- सौर ऊर्जा को अपनाने को बढ़ावा दिया और किसानों को सौर ऊर्जा के उपयोग पर मार्गदर्शन प्रदान किया।
- ग्राम प्रधानों और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ सहयोग को बढ़ाते हुए गांवों के साथ संलग्नता बढ़ायी।
- जिला जेल, गोसाइंगंज में कैदियों, गांव कटवारा, गोहाना कला गांव आदि के ग्रामीणों को प्रो बोनो क्लब जैसी पहलों के माध्यम से मुफ्त कानूनी सहायता उपलब्ध कराई।
- उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम
- भिक्षावृत्ति में लगे बच्चों का समर्थन किया।
- हैप्पीनेस वीक और हैप्पीनेस वैन शुरू किया गया। इसके तहत पुराने कपड़े इकट्ठा किए गए और झुग्गियों में बांटे गए।
- "उन्नत बचपन–उन्नत ग्राम" नामक एक अभियान शुरू किया गया है।
- विश्वविद्यालय द्वारा अपनाए गए गांवों के स्कूलों के बच्चों को नशे से दूर रहने और दहेज को न कहने की शपथ दिलाई गई।
- पढ़ें विश्वविद्यालय, बढ़ें विश्वविद्यालय का आयोजन विश्वविद्यालय में संचालित शोध पीठ द्वारा गोद लिये गए गांवों में स्कूलों के छात्रों के बीच किया गया।
- प्रो बोनो क्लब द्वारा प्रो बोनो सम्मेलन आयोजित किया गया।
- स्कूल के छात्रों के बीच POCSO अधिनियम के बारे में जागरूकता।

मिनी सचिवालय
ग्राम पंचायत - कठवारा

ISWAI
Presents
NEVER DRINK
& DRIVE
Department of Social Work
University of Lucknow
Lucknow

#16DAYSOFACTIVISM
Over 150 Countries Have Laws on Domestic Violence.
Every 16 Minutes A Women is Raped in India.

12.2 सार्वजनिक और सामुदायिक स्वास्थ्य पहल

- कुल 04 रक्तदान और जीवनशैली आधारित बीमारियों पर व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया गया।
- गोद लिए गए टीबी रोगियों को मासिक पोषण किट का वितरण किया गया।
- पीसीओडी और पीसीओएस के बारे में जागरूकता अभियान, कार्यशालाओं की एक श्रृंखला के माध्यम से आयोजित किया गया।
- प्रधानमंत्री के टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत, 12 शिक्षकों को निःक्षय मित्र बनाया गया और 12 टीबी रोगियों को पोषण के लिए गोद लिया गया।
- विश्व शौचालय दिवस के दौरान एक स्वच्छता शिविर का आयोजन किया गया।
- 25 सितंबर को "स्वच्छता सेवा संकल्प अभियान" शुरू किया गया। विभिन्न विभागों के छात्रों को "स्वच्छता एम्बेसडर" बनाया गया, जो स्वच्छता सेवा को आगे बढ़ाएंगे।
- कुतुब पुर झुग्गी क्षेत्र में मौखिक और हाथ स्वच्छता शिविर आयोजित किया गया।
- विश्व अस्थमा दिवस पर, एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- विश्व सामाजिक कार्य दिवस पर, झुग्गियों में रहने वाले बच्चों को बालगुरु, स्वास्थ्य और स्वच्छता के परिवर्तन के एजेंट के रूप में सम्मानित किया गया।
- दूसरे कैम्पस में निःशुल्क चिकित्सा जांच और परामर्श उपलब्ध कराने वाला स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया।
- विश्व ओ.आर.एस दिवस पर लगभग 1000 घरों में ओ.आर.एस किट का वितरण किया गया।

13. रैंकिंग और मान्यता

उन्नति और उच्च शिखरों को प्राप्त करने का यह प्रयास हमारे समर्पण के लिए राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। हमारी उपरोक्त सभी उपलब्धियों ने रैंकिंग प्राप्त करने और उसमें सुधार करने में योगदान दिया है।

Ranking	2024-2025
QS Asia University Ranking	751-800
QS South Asia University Ranking	240
QS Sustainability Rankings	69*
Times Higher Education (World)	1501+
Uni Rank (HEIs)	41*
UniRank (Universities)	16*
Scimago Institutions Rankings	104*
Webometrics Ranking of World Universities	97*
IIRF (Law)	25*
IIRF (MBA)	38*
IIRF (BBA)	22*
India Today	11*
NIRF (Universities)	98*
NIRF (Public Funded)	27*
NIRF (Law)	29*
NIRF (Management)	100*

*National Rankings

website : https://www.lkouniv.ac.in/

Name of institution	:	University of Lucknow
Established	:	1920
City	:	Lucknow
State	:	Uttar Pradesh
Country	:	India
Latitude & Longitude	:	26.862, 80.936
Postal Address	:	University of Lucknow, Lucknow 226007, UP, India
email	:	vc@lkouniv.ac.in
website	:	www.lkouniv.ac.in
YouTube	:	https://youtube.com/c/UniversityofLucknow_Official
Twitter	:	@lkouniv